संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय
रायपुर–छत्तीसगढ़

Phone No. : 0771 - 2537404, Tele-Fax : 0771- 2234731, E-mail: deptt.archaeology@gmail.com

::परिपत्र::

विभागीय शोध जनरल कोसल अंक 14, वर्ष 2025–26 हेतु

1. सचालनालय पुरातत्त्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय, रायपुर (छत्तीसगढ़) की वार्षिक शोध पत्रिका कोसल में इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व से संबंधित सभी विषयों पर कला (वास्तुकला चित्रकला, मूर्तिकला घातुकला आदि) अभिलेख एवं पुरालिपि, मुद्राशास्त्र, लोक साहित्य, पुरातात्विक सर्वेक्षण, उत्खनन आदि से संबंधित मौलिक एवं अप्रकाशित शोधलेखों तथा शोध ग्रंथों की समीक्षाओं को प्रकाशित किया जाता है। शोधपत्र हिन्दी अथवा अंग्रेजी में भेजे जा सकते हैं।
2. समीक्षा एवं प्रकाशन हेतु शोधलेख की दो प्रतियों संपादक, कोसल, संचालनालय पुरातत्त्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय, महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय, रायपुर (छत्तीसगढ़) को साफ्ट कॉपी ई–मेल आईडी deptt.archaeology@gmail.com में 31 जुलाई 2025 तक अनिवार्य रूप से प्रेषित कर देवें।
3. अग्रेजी के शोधपत्र Times New Roman, Font size-12 में तथा हिन्दी के शोधपत्र Kruti Dev-010, Font size-14 में टंकित होना चाहिये।
4. शोधपत्रों में अघोलिखित निर्देशों का अनुपालन आवश्यक है–
   (अ) अंग्रेजी के शोधपत्रों में संस्कृत शब्दों / श्लोकों एवं अल्पज्ञात स्थानों तथा सभी देवी–देवताओं के नाम के अक्षरों में डाइक्रिटीकल मार्कस लगे होने चाहिये ताकि शुद्ध उच्चारण समझा जा सके।
   (ब) शोधपत्रों के साथ संलग्न चित्र स्पष्ट होने चाहिये ताकि पाठक लेख के विवरण को चित्र में देख सकें।
   (स) सदर्भ में ग्रंथों अथवा शोध पत्रिकाओं के पूरे नाम पहली बार देना आवश्यक है। यदि लेख में किसी ग्रंथ या जर्नल का नाम बार–बार आता है तो पहली बार पूरा नाम देवें और उसके आगे कोष्ठक में उसका सक्षिप्त नाम भी दे देंवे। तभी आगे संदर्भ में संक्षिप्त नाम का प्रयोग करें।
   (द) सभी संदर्भ संख्या–क्रम से दिये जाने चाहिये। संदर्भ–पद्धति निम्नवत् होना बाहिये–

ग्रंथ का संदर्भ– लेखक का नाम, ग्रंथ का नाम, प्रकाशक का नाम और पता, संस्करण, प्रकाशन स्थान, वर्ष, पृष्ठ संख्या, चित्र सख्या।

उदाहरणार्थ जे. एन बैनर्जी, डेव्हलपमेंट ऑफ हिन्दू आइकनोग्राफी (डेव्ह हि आइकनो), मुशीराम मनोहरलाल, नई दिल्ली, चतुर्थ संस्करण, 1985, पृ. 105. चित्रफलक 25/2

J.N. Banerjee, Development of Hindu Iconography (DHI), Munshiram Manoharlal, New Delhi, 4 edition, 1985, p- 105, plate&xxv/2

जर्नल का सदर्भ– लेखक का नाम लेख का शीर्षक, जर्नल का पूरा नाम वॉल्यूम / संख्या अंक संख्या, वर्ष, पृसं चित्र संख्या। उदाहरणार्थ – एस. डी. त्रिवेदी, कल्याणसुदर शिव की कुछ अप्रकाशित प्रतिमायें, बुलेटिन ऑफ म्यूजियम्स एड आर्कियोलॉजी इन यू. पी (बी.एम.ए.), अंक–38 दिसम्बर 1986, पृ. 58, चित्र सं. 5

S.D. Trivedi, Kalyansundara Shiv ki kuchh Aprakashit Pratimayen Bulletin of Museums and Archaeology in U-P- (BMA), No- 38, December 1986, p- 58, figure-5

ध्यान देवे– ग्रंथ और जर्नल / शोध पत्रिका / ग्रंथों और टेक्स्ट में संस्कृत शब्दों के नाम *इटैलिक* में रहना चाहिए।

5. यदि ग्रंथ का नाम पुनः आवे तो लेखक के नाम के आगे, उपर्युक्त, पृ.स., चित्र सं. (यदि हो तो) किन्तु यदि लेखक के एक से अधिक पत्रों के संदर्भ के बाद नाम दोहराया जा रहा हो तो लेखकों के नाम के आगे वांछित ग्रंथ का संक्षिप्त नाम भी देना होगा, तत्पश्चात् पृष्ठ एवं चित्र संख्या दोहराते समय केवल ग्रंथ का नाम ही देना है, अन्य विवरण नहीं।

6 शोधपत्र से संबधित छायाचित्र, नक्शे, रेखाचित्र आदि पृथक से सूची के साथ संलग्न करें।

आदेशानुसार
संचालक
संचा. पुरा.अभि.एवं संग्रहालय
रायपुर (छ.ग.)